सेब

सिंचाई

सेब के पेड़ कम मृदा नमी के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। बढ़त मौसम के दौरान जल दबाव फलों की संख्या और आकार को कम कर देता है और जून गिराव बढ़ा देता है। सेब की सफलता व्याेपक तौर पर वर्ष के दौरान बारिश के एकसमान वितरण पर निर्भर करती है , महत्वोपूर्ण अवधियों के दौरान सूखे की स्थिति में अनुपूरक सिंचाई की जानी चाहिए। जल दबाव परिस्थितियों के परिणामस्व़रूप कम फल सैट भारी फल गिराव, कम उत्पारदन और खराब गुणवत्ताे हो सकती है। जल आवश्यथकता की सबसे महत्वापूर्ण अवधियां अप्रैल-अगस्तफ है और फल सैट के बाद सबसे अधिक पानी की आवश्यहकता होती है। आमतौर पर दिसम्बवर-जनवरी में खाद डालने के तत्कातल बाद बगीचों की सिंचाई की जाती है। गर्मी की अवधियों के दौरान , 7-10 दिनों के अन्त राल पर फसल की सिंचाई की जाती है। फल सैटिंग अवस्थाी के बाद फसल की साप्तायहिक अन्त7रालों पर सिंचाई की जाती है। फसल-कटाई से पहले के पखवाड़े के दौरान पानी का अनुप्रयोग फल के रंग में स्पकष्टह रूप से सुधार करता है। उसके ब़ाद्दोरमेंसी की शुरूआत तक 3-4 सप्ताह के अन्त्राल पर सिंचाई की जाती है।